जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 375 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

## 'राहुल की मुख्य समस्या है वे "हैंड्स ऑन" लीडर नहीं हैं'

### और ना ही उनके पास ऐसे नेता हैं, जो भाजपा नेताओं जैसा माइक्रो मैनेजमैंट कर सकें और रणनीति बना सकें

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बिहार में मिली हार से ध्यान हटाने और यह दिखाने के लिए कि कांग्रेस नेतृत्व आने वाले साल में विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों और उनसे जुड़े मुद्दों पर सक्रिय है, कांग्रेस ने आज एसआईआर पर एक बैठक की। इसमें उन 12 राज्यों के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को बुलाया गया, जहाँ चुनाव आयोग ने एसआईआर लागू किया है।

बिहार में क्या गलत हुआ, किसकी ज़िम्मेदारी थी, किसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए-इन सवालों पर न तो कोई विश्लेषण हुआ, न आत्ममंथन, न तथ्य-जांच, न चिंतन-मनन। ऐसा लग रहा है, मानो रात गई, बात गई वाला रवैया अपना लिया गया है।

- कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस नेताओं में एसआईआर से निपटने के प्रति ना तो गंभीरता है ना ही इच्छा शक्ति। वे ध्यान भटकाने के लिए सिर्फ दिखावा करते हैं।
- उक्त नेता ने कहा, ऐसे नेताओं की वजह से जिला स्तर पर सशक्त अध्यक्ष नियुक्त करने का राहुल का सपना भी बदहाल है। क्योंकि ये नेता खुद मैदान छोड़ना नहीं चाहते और ना ही नए लोगों को आगे आने देना चाहते हैं, वे सिर्फ अपने वफादारों को ही नियुक्त करवाना चाहते हैं, ताकि नियंत्रण उनके हाथों में रहे।
- एसआईआर के मसले पर बुलाई गई 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के लिए बिहार की हार "रात गई बात गई" की तरह है। बिहार की हार पर चिंतन मनन तो दूर बिहार के नेताओं को बुलाकर कारण तक नहीं पूछे गए।

बिहार के नेताओं को दिल्ली बुलाकर यह पूछने की भी ज़रूरत नहीं समझी गई कि वहाँ ऐसी स्थिति क्यों बनी और पार्टी 61 में से सिर्फ 6 सीटें ही क्यों जीत पाई। पीसीसी अध्यक्ष और सीएलपी अध्यक्ष दोनों चुनाव हार गए, जहां पूर्व पीसीसी अध्यक्ष, जिन्हें राहुल गांधी और उनकी टीम ने तेजस्वी यादव और आरजेडी के क़रीब होने के कारण निशाना बनाया था, अब कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं।

पार्टी ने तय किया है कि दिसंबर की शुरुआत में रामलीला मैदान में एसआईआर मुद्दे पर एक बड़ी रैली की जाएगी।

जब मुकुल वासनिक ने निचले स्तर प्रभारी तक सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने की बात उठाई, तो कहा गया कि हाँ, यह किया जाना चाहिए।

ब्लॉक स्तर पर संगठन पूरी तरह बिखरा हुआ है, और संगठन को दुरुस्त करने की कोई कोशिश नहीं हुई है।

राहुल गांधी का सपना था कि ज़िले के अध्यक्ष पूरी ताकत और अधिकार के साथ नियुक्त हों, लेकिन यह सपना भी बदहाल अवस्था में है। राज्य के वरिष्ठ नेता मैदान छोड़ना नहीं चाहते और वे नए लोगों को आगे आने नहीं दे रहे। सभी ने मिलकर यही सुनिश्चित किया है कि उनके ही वफादारों को पद मिले, ताकि नियंत्रण उन्हीं के पास रहे।

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं में एसआईआर के मसलों से निपटने का न तो विवेक है न ही गंभीरता और न ही इच्छा शक्ति, वे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## चिली की पूर्व राष्ट्रपति को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। चिली की पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता मिचैल बाचलै को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए 2024 का इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह बुधवार को यहां जवाहर भवन राजेन्द्र प्रसाद रोड में आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन की अध्यक्षता वाले अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिचैल बाचलै को 2024 के इस पुरस्कार के लिये चुना था। उन्हें कल यहां आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित, कई प्रमुख नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है।

- दिल्ली के जवाहर भवन में सोमवार को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

## 20 नवंबर को दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नीतीश

### पटना के गांधी मैदान में होगा भव्य समारोह, प्र.मंत्री मोदी भी शामिल होंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवंबर। विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा को दिए जाने के बारे में फैसला हो जाने के बाद, अब सवाल यह है कि जनता दल (यू) 20 नवंबर को नए बिहार मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण से पहले, गृह विभाग अपने पास रखना सुनिश्चित कर पाएगा या नहीं।

सरकार के गठन से पहले, जेडीयू के वरिष्ठ नेता संजय झा और लल्लन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी मौजूद थे। समझा जाता है कि भाजपा नेताओं ने साफ कह दिया है कि पार्टी विधानसभा अध्यक्ष का पद नहीं छोड़ेगी, और साथ ही, उन्होंने गृह विभाग भी भाजपा को देने की मांग की है। पिछली सरकार में यह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था।

शपथ ग्रहण समारोह पटना के गांधी मैदान में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जैसे शीर्ष भाजपा नेता मौजूद रहेंगे। ये नेता बुधवार को पटना पहुँचेंगे।

- स्पीकर का पद तो भाजपा ने येन-केन-प्रकारेण हासिल कर लिया है। पर, जद (यू) गृह मंत्रालय छोड़ने को तैयार नहीं है। गत सरकार में गृह मंत्रालय नीतीश कुमार के पास ही था।
- पिछली बार भाजपा के 74 विधायक थे और जद (यू) के 43, इसलिए तब भाजपा के पास 22 मंत्री पद थे और जद (यू) के पास 12 मंत्री ही थे। पर, इस बार जद (यू) की सीटें (85), भाजपा की सीटों (89) के बराबर हैं। इसलिए जद (यू) ज्यादा समझौता नहीं करेगी।
- यही नहीं, इस बार सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और उनकी भी मांग बढ़ी है। चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के लिए तीन पद मांगे हैं, उन्हें दो के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है।

नई सरकार में भाजपा को 16 मंत्री पद मिलेंगे और जेडीयू को 14, इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अलग

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## थरुर ने फिर मोदी के कसीदे पढ़े, कांग्रेस तिलमिलाई

### कांग्रेस नेता शशि थरुर ने एक्स पर लिखी पोस्ट में प्र.मंत्री मोदी के भाषण की जोरदार तारीफ की और कहा कि वे श्रोताओं में शामिल थे, इस पर उन्हें गर्व है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिर तारीफ़ कर दी, जिससे मंगलवार को पार्टी नेतृत्व उनसे एक बार फिर नाराज़ हो गया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें दिल्ली के एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जहाँ प्रधानमंत्री ने भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने "विकास के लिए भारत की रचनात्मक बेचैनी" और "औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर आगे बढ़ने" की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

थरूर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने "इस बात पर जोर दिया कि भारत अब सिर्फ एक 'उभरता हुआ बाज़ार' नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'उभरता हुआ मॉडल' बन चुका है।" दुनिया ने भारत की मज़बूत अर्थव्यवस्था को महसूस किया है, जिसने महामारी जैसे वैश्विक संकट और यूक्रेन संघर्ष के समय भी अपने अस्तित्व को संभाले रखा।

थरूर के अनुसार, "प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि लोग उनपर हमेशा चुनाव मोड में रहने का आरोप लगाते हैं... लेकिन वास्तव में वे जनता की समस्याएँ दूर करने के लिए भावनात्मक मोड में थे।" प्रधानमंत्री का भाषण मुख्य रूप से भारत की शिक्षा प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव पर केन्द्रित था।

कार्यक्रम की तस्वीरों में थरूर भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री

- तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने बताया कि उन्हें दिल्ली में एक प्राइवेट इवैंट में बुलाया गया था और उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का भाषण भारत की आर्थिक सोच और विकास के प्रति राष्ट्र की व्यग्रता को दर्शाता है।
- कार्यक्रम के वीडियो में शशि थरुर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद के साथ बैठे नज़र आए।
- थरुर कई बार प्रधानमंत्री की तारीफ कर चुके हैं, जिससे इन अटकलों को हवा मिल रही है कि वे कांग्रेस छोड़ने की तैयारी में हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव आज

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) के संसदीय बोर्ड ने मंगलवार को बिहार में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिये वरिष्ठ पार्टी नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति को सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

- भाजपा संसदीय बोर्ड ने केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

इन तीनों नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को पटना में भाजपा दल का नेता चुना जाएगा। ज्ञात रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी। इसके बाद केन्द्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य और सह पर्यवेक्षक अर्जुन मेघवाल और ज्योति निरंजना की मौजूदगी में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इन नेताओं को बिहार भाजपा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमैंट में जल्दी ही "गुड न्यूज़" मिल सकती है'

### वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इण्डो यूएस इकोनॉमिक समिट को संबोधित करते हुए दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवंबर। अमेरिका से लंबे समय तक एलपीजी खरीदने पर सहमति बनने के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अच्छी खबर सुना सकता है। उन्होंने सावधानी बरतते हुए कहा कि यह तभी होगा, जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित होगा।

सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी बाजार से एलपीजी खरीदने की भारत की सहमति के बाद शीघ्र ही व्यापार समझौते की संभावना बढ़ गई है, लेकिन अभी भी कई अड़चनें बनी हुई हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए घरेलू बाजार खोलने का भारी दबाव है।

गोयल ने जोर देकर कहा कि इस समझौते में किसानों और मछुआरों के हित सुरक्षित रखे जाएंगे। उन्होंने कहा, "व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और भारत को, एक राष्ट्र के रूप में, किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के हितों की रक्षा करनी ही होगी।"

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इंडो-यूएस आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने विस्तार से बताया कि "भारत को एक राष्ट्र के रूप में, अपने हितों की रक्षा करनी ही है, अपने सभी हितधारकों और कारोबारों के हितों की सुरक्षा करनी है और इसे किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के प्रति संवेदनशीलता के साथ संतुलित रखना हैं।"

उन्होंने कहा कि "जब हमें सही संतुलन मिल जाएगा, तब निश्चित रूप से अच्छे नतीजे मिलेंगे। जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित हो जाएगा, तब आपको अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।"

भारत और अमेरिका मार्च से इस प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और अब तक छह दौर की चर्चा पूरी हो चुकी है।

गोयल ने भरोसा दिलाया कि भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भारत के प्रति दबाव बनाने वाले तथा अपमानजनक रवैये को हल्का करने की कोशिश करते हुए कहा, "परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक हो

- इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने किसानों, मछुआरों के हितों की सुरक्षा करनी होगी, जैसे ही कोई संतुलित व निष्पक्ष समझौता होगा, उसे फाइनल कर दिया जाएगा।
- सूत्रों ने कहा कि अमेरिका से एलपीजी खरीदने की डील होने के बाद ट्रेड डील की संभावना बढ़ गई है। पर, अब भी इसमें कई किंतु-परन्तु हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका का भारी दबाव है, कृषि व डेयरी सैक्टर खोलने के लिए।
- भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर भी गोयल ने कहा कि परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक होती रहती है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## अल फलाह ग्रुप का मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। ईडी ने मंगलावर को अल फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएल), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अल फलाह से जुड़े परिसरों पर हाल ही में हुई सर्च कार्रवाई के दौरान मिले सबूतों और विस्तृत जांच के आधार पर की गई है। यह मामला ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर से जुड़ा है, जिसकी जांच इन दिनों जारी है।

- ईडी ने अल फलाह ग्रुप के मालिक जावेद सिद्दीकी को प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

ईडी ने अल फलाह ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई दो एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दर्ज की थीं। इन एफआईआर में आरोप है कि फरीदाबाद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'एआई का "ओवर वैल्युएशन" बाज़ार को गिरा सकता है'

### गूगल के सीईओ सुदंर पिचाई ने चेतावनी दी

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। मशहूर भारतीय टैक विशेषज्ञ सुंदर पिचाई ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (ए.आई.) को लेकर फैली हुई उम्मीदों पर कुछ सच्ची और सावधान करने वाली बातें कही हैं। उनका कहना है कि छोटे ए.आई. स्टार्टअप्स के अत्यधिक उच्च मूल्यांकन में किसी भी तरह की गिरावट टैक्नॉलजी क्षेत्र में व्यापक गिरावट ला सकती है।

दुनिया भर के शेयर बाज़ारों ने ए.आई. कंपनियों को अत्यधिक ऊँची कीमत दी है, जबकि उनकी असली कामकाज की क्षमता उसके आसपास भी नहीं पहुँचती।

उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि "ओपन ए.आई." जो अपने ए.आई. चैटबॉट "चैट जीपीटी" की वजह से विश्वभर में मशहूर हुआ, आज निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर का आंका जा रहा है, जबकि उसके अपने कामकाज (ऑपरेशन्स) उस आंकड़े का एक हज़ारवाँ हिस्सा भी नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यह स्टार्टअप आगे कैसे इस आसमान छूती वैल्यूएशन को सही ठहराएगा और निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।

सुंदर पिचाई के अलावा वित्त जगत के एक बड़े नाम, अमेरिकी निवेश बैंक जेपी मॉर्गन के प्रमुख जैमी डिमन ने भी चेतावनी दी थी कि ए.आई. स्टार्टअप्स की वैल्यूएशन में किसी गिरावट से पूरा बाज़ार फिसल सकता है। डिमन ने कहा था कि ए.आई. बुलबुले के फटने का असर जल्दी ही व्यापक बाज़ार में दिखने लग सकता है।

सुंदर पिचाई ने यह बातें बीबीसी को गूगल मुख्यालय में दिए गए एक इंटरव्यू में कहीं। पिचाई ए.आई. के बड़े समर्थक हैं और मानते हैं कि यह नई सफलता प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए लाभ ला सकती है, जो अर्थव्यवस्था में उच्च दक्षता में भी तब्दील हो सकती है।

- उन्होंने ओपन एआई के चैट बॉट चैट जीपीटी का उदाहरण दिया, जिसका मूल्य निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जबकि उसके कामकाज पर इस राशि का एक हजारवां हिस्सा भी खर्च नहीं होता। पिचाई ने सवाल उठाया, यह स्टार्ट अप निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।
- अमेरिकन इन्वेस्टमैंट बैंक जे.पी. मॉर्गन के चीफ जैमी डिमन भी चेतावनी दे चुके हैं कि एआई स्टार्ट अप के "ओवर वैल्युएशन" से बाज़ार फिसल सकता है। उन्होंने कहा, एआई बुलबुले के फूटने का असर बड़े पैमाने पर बाज़ार में दिखेगा।

लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि ए.आई. जहाँ नई संभावनाएँ पैदा करेगा, वहीं यह बड़ी संख्या में नौकरियों को ख़त्म भी कर सकता है। इसलिए ज़रूरी होगा कि लोगों को अपने कौशल अपग्रेड करने होंगे ताकि वे ए.आई. तकनीक के साथ तालमेल बैठा सकें।

पिचाई की कंपनी गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी एल्फाबेट ए.आई. में बहुत बड़ा निवेश कर चुकी हैं। गूगल को ए.आई. से फायदा भी मिला है और अब उसे ए.आई. दौड़ में पीछे नहीं माना जा सकता। लेकिन अगर इतनी भारी रकम लगाने के बाद ए.आई. अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

कुछ विशेषज्ञ शेयर बाज़ार के मूल्यांकन में ए.आई. सैगमैंट के बढ़ते मूल्य की तुलना 1990 के दशक के शुरु में "डॉट कॉम बबल" के फूटने की घटना से कर रहे हैं, जब इंटरनेट कंपनियों की ऊँची उम्मीदों के चलते उनका मूल्य तेजी से बढ़ा था, और इन कंपनियों का बाज़ार मूल्यांकन आसमान छूने लगा, लेकिन बाद में वही गिरकर बड़ी तबाही का कारण बना।

अमेरिकी फैडरल रिज़र्व के उस समय के चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन ने डॉटकॉम कम्पनियों के इर्द गिर्द शेयर बाज़ार में आई तेजी को "अतार्किक उत्साह" का उदाहरण बताया था, जब कंपनियों की कीमत में उछाल ज़मीन पर हो रही असल गतिविधियों से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। हल्के नियमन और अत्यधिक भरोसे ने बाजार को जरूरत से ज्यादा गर्म कर दिया था।

आख़िरकार इसका नतीजा भारी गिरावट के रूप में निकला, जिसे "डॉट कॉम बर्स्ट" कहा गया। छोटी टैक कंपनियों की गिरावट का असर पूरे बाजार पर पड़ा, और अर्थव्यवस्था को इस नुकसान से उबरने में कई साल लगे।

सुंदर पिचाई के इंटरव्यू में फिलहाल उन्होंने केवल तकनीकी क्षेत्र

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## प्र.मंत्री मोदी से मिले पुतिन के सहायक

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अगले महीने भारत यात्रा पर आने से पहले, उनके सहायक और रूसी समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर मुलाकात का जिक्र किया और कहा कि वे पुतिन से मिलने को उत्सुक हैं जो अगले माह भारत आ रहे हैं।

इस भेंट के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," राष्ट्रपति के सहयोगी और रूस के समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। हमने समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें संपर्क, कौशल विकास, जहाज निर्माण और नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग के नए अवसर शामिल थे।"